शपथ पत्र

(नोटरी पब्लिक/ओथ कमीश्नर से अधिप्रमाणित)

मैं, ...पुत्र/पुत्री श्री..... .....और श्रीमती.....आयु ...., व्यवसाय..... , राष्ट्रीयता ..... निवासी..... विश्वास सत्य निष्ठा से निम्न घोषणा करता हूँ कि–

1. मेरा जन्म, दिनांक .....को .....स्थान..... पर हुआ था।

2. मैं जन्म से एक भारतीय नागरिक हूँ और उपरोक्त वर्णित मेरा स्थायी पता है।

3. जन्म के समय मेरा जैविक लिंग.....(पुरुष/स्त्री) था और वही मेरे जन्म प्रमाण–पत्र, पहचान–पत्र, पेनकार्ड, राशनकार्ड, विद्यालय प्रमाणपत्रों, विश्वविद्यालय प्रमाणपत्र, बैंक खाता, जीवनबीमा पॉलिसी और अन्य दस्तावेजों में दर्ज किया गया है।

   दस्तावेजों की छाया प्रति संलग्न है और अक्षर "अ" के द्वारा चिन्हित कर दिया गया है।

4. जन्म के समय मुझे..... (पुरुष/स्त्री) के रुप में पहचाना गया, हालांकि मेरा जन्म ट्रांसजेंडर के रुप में हुआ था, मेरी पहचान पुरुष/स्त्री लिंग भूमिका के अनुरुप की गयी / नहीं की गयी और मैं एक महिला/पुरूष, ट्रांसजेडर के रुप में स्वयं को पहचाना जाना पसंद करता हूँ/करती हूँ। लेकिन कानून इसकी अनुमति नहीं देता था, इसलिए मैने अपनी लिंग पहचान एक पुरुष/स्त्री के रुप में जारी रखी, हांलाकि मै उसके अनुरुप नहीं था/थी।

5. वर्तमान में मैं एक .....(स्त्री/पुरूष) हूं और मेरा लिंग ट्रांसजेडर (स्त्री/पुरूष) . ..... के रुप में स्वयं की पहचान चाहता हूँ/चाहती हूँ।

6. माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने दिनांक 15 अप्रेल 2014 को (रिट याचिका (सिविल) संख्या 400 – 2012) में निर्णय दिया है कि ट्रांसजेंडर व्यक्ति को स्वयं को लिंग की पहचान का अधिकार है मा0 **सर्वोच्च न्यायालय** केन्द्र व राज्य सरकारो को पुरूष,स्त्री तृतीय लिंग के रूप मे कानूनी मान्यता देने एंव सिफारिशों को लागू करने के लिये निर्देशित किया है।

यहां संबंधित पेज संलग्न हैं और अक्षर "ब" से चिन्हित कर दिया गया है।

7. यह है कि अब से मैं अपनी पुरुष/स्त्री भूमिका के अनुरुप स्वयं के वर्तमान नाम .... के स्थान पर .....नाम..से पहचान पत्र चाहता हूँ / चाहती हूँ।

30/

8. मैं घोषणा करता हूँ कि (वर्तमान नाम) .....पुत्र श्री ..... तथा (नया नाम) ..... पुत्री श्री ..... एक ही व्यक्ति है।

9. यह कि भविष्य में मेरे नाम को ले कर कोई भ्रम को समाप्त करने के लिए मैं चाहता हूँ /चाहती हूँ कि मुझे ".....” नाम जाना जावे और यह कि मैं भविष्य में अपने हस्ताक्षर ".....” नाम से करुंगा/करूंगी।

10. यह है कि शपथ–पत्र पर शपथ लेने का उद्देश्य है कि मैं इस समय से घोषणा करता हूँ/करती हूँ कि किसी भी अवसरों के लिए, मैने स्वयं के लिए जो लिंग घोषित कर दिया है, उसका उपयोग निजी के साथ–साथ सभी रिकार्डो, कर्म और लेखन में और सभी कार्यवाही, व्यवहार और लेन–देन में करुंगा/करूंगी।

11. यह शपथ–पत्र मे दिये गये तथ्य मैने स्वयं की इच्छा से, ज्ञान में , ईमानदारी और होशो हवास में दिये है।

हस्ताक्षर

सत्यापन

मै .....अधोहस्ताक्षरकर्ता सत्यापित करता हूँ कि उपरोक्त बिन्दु स. 1 से 11 के तथ्य मेरे ज्ञान मे सही एवं सत्य है कोई तथ्य असत्य नहीं है तथा इसमें कोई तथ्य छिपाया नहीं गया है।

हस्ताक्षर